जीवन बहुत सुंदर है, इसे और सुंदर बनाओ

मन ऐसा रखो कि किसी को बुरा ना लगे
दिल ऐसा रखो कि किसी को दुःखी ना करे
स्पर्श ऐसा रखो कि किसी को दर्द ना हो।

इन्सान भी कितना अनोखा जीव है
पहले तो भिखारी बन हाथ जोड़
भगवान से भीख मांगता है
फिर दान से अर्जी भगवान को दान देकर
पीछे अपना नाम लिख कर
अपनी श्रेष्ठता दिखलाता है।

समस्याये चाहे कैसी भी हों
परन्तु इनसे घबराइये मत बल्कि
इन्हें परीक्षा ~~समझ~~ समझ कर पास कीजिये
संयम, सन्तुलन और सन्तुष्टता का गुण
अपनाने से महान बन जायेंगे।

(signature)

(एम पी एस बक्शी)